कार्यालय जिलाधिकारी, शाहजहाँपुर।

पत्रांकः सी-24 /15/मनरेगा–सेल/2016–17 दिनॉकः 06 अप्रैल, 2016

समस्त खण्ड विकास अधिकारी,
जनपद– शाहजहाँपुर।

विषय– वित्तीय वर्ष 2016–17 में महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अन्तर्गत 01 हे0 प्रति ग्राम पंचायत (1100) पौधों के वृक्षारोपण कराये जाने हेतु **"ग्रीन शाहजहाँपुर"** की कार्य योजना।

महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजनान्तर्गत निर्गत दिशा–निर्देश के प्रस्तर 7.1.3 (2) के दृष्टिगत जनपद शाहजहाँपुर में वनरोपण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम एक वृहद अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। इस हेतु जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में प्रति ग्राम पंचायत **01 हे0** क्षेत्रफल में सामुदायिक भूमि पर **1100 पौधे** रोपित किये जाने कर लक्ष्य निर्धारित करते हुए अभियान में **1077 ग्राम पंचायतों** में **726975 मानव दिवसों** के सृजन कर **1184700 पौधों** के रोपण की रूप रेखा एवं कियान्वयन हेतु विभिन्न स्तरों पर किये जाने वाले कार्य कलापों के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश निम्न है।

(क) **मॉडल प्राक्कलनः–** मनरेगा के अन्तर्गत 01 हैक्टेयर भूमि में वृक्षारोपण कराने हेतु मनरेगा के एस0 ओ0 आर0 के आधार पर प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, शाहजहाँपुर व सहायक अभियंता, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, शाहजहाँपुर द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया मॉडल प्राक्कलन **संलग्नक–01** पर प्रस्तुत है। ब्लॉक वृक्षारोपण का मॉडल प्राक्कलन एवं वन विभाग के पास उपलब्ध पौधों का प्रजातिवार विवरण **संलग्नक–02** वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराया गया है। ब्लॉक वृक्षारोपण का मॉडल प्राक्कलन के अनुसार 01 हैक्टेयर क्षेत्रफल में सामुदायिक भूमि पर 1100 पौधों को रोपित करने हेतु मॉडल प्राक्कलन बनाया गया है, जिसके अनुसार अनुमानित लागत रू0 149441.00 है, जिसमें श्रम सामग्री का अनुपात 78.59:21.41 है। अतः इस परियोजना में प्रति ग्राम पंचायत 01 हे0 क्षेत्रफल में 675 मानव दिवसों का सृजन होगा।

(ख) **तकनीकी मार्गदर्शनः–** परियोजना के अन्तर्गत तकनीकी मार्गदर्शन वन विभाग द्वारा दिया जायेगा। इस योजना में प्रति ग्राम पंचायत में मेट की सेवाये भी ली जायेगी, जिसकों अपनी भूमिका के बारे में पृथक से प्रशिक्षित किया जायेगा। इस अनुक्रम में जनपद स्तर पर समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, समस्त सहायक विकास अधिकारी, तकनीकी सहायक, अवर अभियंता, वन विभाग एवं समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी की कार्यशाला का आयोजन दिनॉक 05.04.2016 को किया गया। कार्यशाला में वन विभाग के विषय विशेषज्ञों द्वारा पौधरोपण की प्रारम्भिक प्रक्रिया अग्रिम मृदा कार्य से प्रारम्भ कर कराये गये वृक्षारोपण को सुरक्षित किये जाने तथा अनुरक्षण पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। यह कार्यशाला वृक्षारोपण से जुड़ी कई बातों को जानने में सहायक रही, जिससे इस कार्य के प्रति मनरेगा में ग्राम स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियो में उत्साहवर्धन हुआ एवं वृक्षारोपण अभियान की सफलता के लिए उनके आत्म विश्वास में वृद्धि हुई। इस संबंध में वृक्षारोपण के विषय में क्या करें क्या न करें, का विस्तृत विवरण प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, शाहजहाँपुर द्वारा खण्ड विकास अधिकारियों/कार्यक्रम अधिकारियों को अलग से उपलब्ध कराया जायेगा।

(ग) **वृक्षारोपण की सुरक्षा व्यवस्थाः–** प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, शाहजहाँपुर द्वारा मॉडल प्राक्कलन में ही पौधों की देखरेख एवं सुरक्षा हेतु सुरक्षा श्रमिकों की व्यवस्था की गयी है। सुरक्षा कर्मियों में विधवाओं और विकलागों को विशेष वरीयता दी जाये। सुरक्षा श्रमिक के अतिरिक्त मॉडल प्राक्कलन में ही सुरक्षा खई के खुदान का भी प्राविधान है। मॉडल प्राक्कलन में प्रोसोपिस, ज्यूलीफलोरा के बीज क्रय का भी प्राविधान किया गया है। रणनीति यह है कि पौधों को प्रत्येक दशा में बचाने के लिए बायों फेंसिंग, सुरक्षा हेतु श्रमिक एवं सोशल फेंसिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का प्रयोग करते हुए स्पअम Fencing भी करायी जा सकती है। यहॉ यह भी उल्लिखित कराना है कि सुरक्षा हेतु लगाये गये श्रमिकों में प्रति परिवार 100 दिवस से अधिक का रोजगार न दिया जाये, यह सुनिश्चित कराने का उत्तरदायित्व कार्यक्रम अधिकारी का होगा। अगर ग्राम पंचायत उचित समझे तो राज्य वित्त/14वॉ वित्त आयोग की धनराशि से युगपित (Dovetail) करते हुये कटीलें तारों की फैंन्सिंग वृक्षारोपण स्थल पर करायी जा सकती है। प्राक्कलन में 06 से 08 फीट तक के पौधों के क्रय को 20–00 रू0 प्रति पौधे की दर से प्रावधानित किया गया है। यदि ग्राम पंचायत चाहे तो वह ग्राम निधि की अन्य धनराशियों से युगपित (Dovetail) करते हुये और बड़े पौधों को भी क्रय कर सकती है। समय–समय पर रोपित पौधों की सिंचाई की व्यवस्था ग्राम पुंचायत द्वारा अपने संसाधनों से की